

[This question paper contains 2 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 3562 D Your Roll No.....

Unique Paper Code : 231201

Name of the Course : B.A. (Hons.) History

Name of the Paper : History of India -- II

Semester : II

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt four questions in all.
3. All questions carry equal marks.
4. Answers may be written in Hindi or English but the same medium should be followed throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
 2. कुल चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
 3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।
 4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।
1. Examine the various aspects of Indo-Roman trade during the early centuries of the Christian era. What was its impact on coins, craft, and towns ?
ईसा की आरंभिक सदियों के दौरान भारतीय-रोमन व्यापार के विभिन्न आयामों का परीक्षण कीजिए । सिक्कों, शिल्पकलाओं, और शहरों पर इसका क्या प्रभाव पड़ा ?
 2. Describe the features of Ashoka's policy of *Dhamma* and evaluate its impact on the downfall of the Mauryan dynasty.
अशोक के धम्म नीति की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन और मौर्य वंश के पतन में इसके प्रभाव का मूल्यांकन कीजिए ।
 3. Give an account of the Gupta administration. How far did it differ from that of the Mauryas ?

P.T.O.

गुप्त शासन व्यवस्था का विवेचन कीजिए। यह मौर्या की व्यवस्था से कहां तक भिन्न था ?

4. Describe the economic changes in North India during Post Gupta period. Do you think that these developments may be characterized as Feudal ?

गुप्तोत्तर काल में उत्तर भारत के आर्थिक परिवर्तनों का वर्णन कीजिए। क्या आप समझते हैं कि इन परिवर्तनों को सामंतवाद की संज्ञा दी जा सकती है ?

5. Explain the concept of *varna* and *jati* in ancient India. What were the factors which lead to the development of *varnasamkaras* and proliferation of *jatis* between CE 300 and CE 750.

प्राचीन भारत में वर्ण और जाति से संबंधित अवधारणाओं की व्याख्या कीजिए। 300 ई. और 750 ई. के बीच वर्णसंकरों की उत्पत्ति और जातियों की संख्या में वृद्धि के क्या कारण थे ?

6. Evaluate the developments in the field of religious beliefs and practices between 300 BCE – CE 750.

ई. पू. 300 से 750 ई. के दौरान धार्मिक विश्वासों और व्यवहारों के क्षेत्र में हुए परिवर्तनों का मूल्यांकन कीजिये।

7. Outline the features of Mathura and Gandhara school of Art. Examine the factors which lead to their growth.

मथुरा और गांधार कला शैलियों की विशेषताओं की रूपरेखा प्रस्तुत करें। इनके विकास के कारकों का परीक्षण कीजिये।

8. Write short notes on any two of the following :

- Ashokan Edicts
- Mahabalipuram
- Samskaras
- Scientific treatises in ancient India

निम्नलिखित में से किसी दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें :

- अशोक के शासनादेश
- महाबलीपुरम
- संस्कार
- प्राचीन भारत में वैज्ञानिक ग्रन्थ